सब हमहिन का समझावैं

कोऊ सुरुज से कहि न पावै
घाम हियाँ ना फैलाऊ
कोऊ चंदरमा से ना कहि पावै
अपन चांदनी दूर बहाऊ
कोऊ हवा से कहि ना पावै
घरि के भित्तर तुम ना आऊ
बादर से कोऊ कहि ना पावै
मुसराधार अब ना बरसाऊ
फिर काहे भैया हड़कावैं
भागव दूर हियाँ ना आऊ
अम्मा कहैं अपन खेलौना
घर मा तुम ना बिथराऊ
पापा कहैं की बहिरे खेलव
खबरदार भितरे ना आऊ
हमहिन पै सब रोब जमावें
हमरी गलती तनिक बताऊ

अभ्यास

- सूरज से कोई कुछ काहे नहीं कहत है ?

- अम्मा घर मा खेलौना बिथरावै से काहे मिन्हा करत हैं ?
- तुमका घर मा को को टोकत है
- तुमका घर मा कौन बात पे टोका जात है ?
- टोके जाय पे तुम का करत हौ ?